Written by कुमार सौवीर
Friday, 08 June 2018 18:03

: □□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□□□ 25 □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ : □□□□□□ □□□□ □□□□□□□, □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□□ □□ : □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□-□□□□□ □□□-□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□, □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□ :

□□□□□□ □□□□□□

□□□□ : □क व्यवसायी ने आरोप लगाया कि उसे परेशान किया जा रहा है। परेशान करने वाले का नाम बताया गया कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रमुख सचिव है जो □क काम कराने के लि□ इस व्यवसाई से 25 लाख रुपयों की घूस मांग रहा है यह शिकायत की इस व्यवसाई ने सीधे राजपाल को राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को इस बारे में पत्र लिख दिया लेकिन इस पूरे मामले पर जांच कराने के बजाय भाजपा के कार्यकर्ताओं ने उस पीड़ित व्यवसाय पर ही उल्टा मुकदमा दायर कर दिया है□ से

आपके साथ चाहे कितना भी अत्□याचार किया जा रहा जो, चिल्□ल-पों मत कीजि□गा। अपमान और अत्□याचार का घूंट पी जाइयेगा। याद रखियेगा कि अगर आपने अपना मुंह खोला तो आप पर ऐसे-ऐसे कहर तोड़े जा□ंगे कि आपकी रूह तक फना हो जा□गी। सत्□ता पर काबिज पॉलिटिकल पार्टी के लोग आपको उल्टा फंसा देंगे। पुलिस भी चूंकि सरकार की है, इसलि□ पार्टी के लोग अर्जी लिख कर □स□सपी को थमा देंगे। आम आदमी के मुकदमे दर्ज करने में भले ही हफ्तों-महीनों का वक्त ले या कभी भी दर्ज न करे, लेकिन सत्ताधारी दल के किसी भी उलटे-पुलटे आरोप पर यही पुलिस संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लेगी। यानी योगी सरकार में अपनी बात कहना अपने आप में □क जुर्म हो जा□गा।

लखनऊ के इंदिरा नगर में रहने वाले अभिषेक गुप्ता हरदोई के संडीला में □क छोटा सा पेट्रोल पंप चलाते हैं। उनकी पेट्रोल पंप को लेकर सरकारी से पत्राचार चल रहा था। अभिषेक का आरोप है कि अपने काम के लि□ जब उसने सरकारी अफसरों से बातचीत की तो मुख्यसचिव के प्रमुख सचिव □सपी गोयल ने उनसे सीधे पचीस लाख रुप□ की मांग कर ली। इतनी रकम दे पाना अभिषेक गुप्ता के बस की बात नहीं थी, इसलि□ गुप्ता ने सीधे राज्यपाल को □क ईमेल कर दिया। इसमें पूरी दिक्कतों का जिक्र करते हु□ उन्हें न्याय दिलाने की गुजारिश की। राज्यपाल ने इस मामले पर □क पत्र लिखा और उसमें सारी जानकारी देते हु□ मुख्यमंत्री से कहा कि वे आवश्यक कार्यवाही कर लें। कुछ ही दिन बाद राजपाल का यह पत्र वायरल हो गया, तो हंगामा मच गया।

इस पर हंगामा खड़ा हो गया। आनन-फानन मुख्यमंत्री के सूचनासलाहकार मृत्युंजय कुमार ने सरकार का पक्ष रखते हु□ दावा किया कि स□ि कृत्य सरकार की छवि को खराब करने का प्रयास है। प्रमुख सचिव □स पी गोयल ने अपना फोन ही बंद कर रखा है, लेकिन प्रदेश भाजपा के मुख्यालय प्रभारी भारत दीक्षित ने इस पूरे मामले में □क अर्जी लिखी और सीधे □स□सपी दीपक कुमार को भेजकर उन्हें इस मामले की □फआईआर दर्ज करने का अनुरोध किया। दीपक कुमार के अनुसार भारत दीक्षित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

इस पूरे दौरान पीड़ित अभिषेक गुप्ता की गलती क्या है, यह ही समझ में नहीं आ रहा है। गुप्ता ने यह शिकायत चुपचाप राज्यपाल को भेजी है, वह भी सीधे ईमेल पर। ताकि राज्यपाल के अलावा किसी को भी इस शिकायत की भनक न लग सके। फिर इसमें सरकार की छवि धूमिल करने की साजिश की बात कहां से उठ रही है। सूत्र बताते हैं कि ऐसे ईमेल या तो राज्यपाल के निजी सचिव देखते हैं या फिर राज्यपाल के प्रमुख सचिव अथवा उनके वशि□ वस्□त अधिकारीगण। हां, इतना जरूर है कि ऐसे ईमेल में हस्तक्षेप करते हु□ राज्यपाल ने □क पत्र योगी आदित्यनाथ को जरूर भेज दिया। सूत्र बताते हैं कि ऐसा

Written by कुमार सौवीर
Friday, 08 June 2018 18:03

पत्र मुख्यमंत्री सचिवालय से ही कहीं वायरल हुआ है।

फिर सवाल यह है कि आखिर इस पूरे मामले में सरकार और पार्टी की छवि किसने छवि धूमिल की। कौन है वह, जिसने षड्यंत्र रचा। जाहिर है कि इसमें अभिषेक की तरफ से तो कोई अपराध नहीं बनता। क्योंकि उन्होंने सीधे अपनी व्यथा लिखी है, और वह भी सीधे राज्यपाल भेजी है। फिर यह कहर अभिषेक पर कैसे टूट रहा है।

इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री के सूचना सलाहकार मृत्युंजय कुमार ने सरकार का पक्ष रख दिया कि यह हरकत सरकार की छवि खराब करने का प्रयास है। और इस मामले की जांच होने जा रही है। वे बोले कि इसके बाद ही जांच में दूध का दूध और पानी का पानी स्पष्ट हो जा। गा। मगर असल सवाल यह उठता है कि जांच किये बिना ही इसे साजिश करार दे दिया गया है।